Regional Supplement of Punjab Kesari, Delhi

हरियाणा केसरी

27 मार्च , 2011, रविवार

सोनीपत केसरी

गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों का न्यूनतम शुल्क पर इलाज

सोनीपत, (पवन बंसल) : निकटवर्ती गांव बैंयापुर में स्थित चौपाल कम्यूनिटी हैल्थ सैंटर नित नए आयामों को छू रहा है। छोटे से गांव के इस हैल्थ सैंटर में वे सभी सुविधाएं उपलब्ध है जो शहर के बड़े अस्पतालों में मौजूद हैं। इसके अलावा ग्रामीणों को कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने, शराब, पान, बीड़ी, सिगरेट, हुक्का व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन न करने और उनके स्वास्थ्य संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी मुहैया कराई जाती हैं। स्वयं सेवी संगठन चौपाल नामक संस्था के संस्थापक एवं दिल्ली के वरिष्ठ चिकित्सक डा. राजेन्द्र सिंह टोंक ने शनिवार को यहां आयोजित एक प्रैस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चौपाल संस्था का जन्म अगस्त 2007 में हुआ। पिछले 35 सालों से दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक की उपाधि से कार्य करने के बावजूद वे गांववासियों की सेवा करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने गांव बैंयापुर में अपनी जन्मभूमि को कर्म भूमि बनाने हेतु चौपाल कम्युनिटी हैल्थ सैंटर की स्थापना की। डा. टोंक ने बताया कि जब इस सैंटर की शुरूआत की गई थी तो उस समय इसका आकार काफी छोटा था, लेकिन आज इसने अस्पताल का रूप ले लिया है। जिसकी उन्हें बेहद खुशी है कि हैल्थ सैंटर में गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को न्यूनतम शुल्क देकर शहर के मुकाबले की सेवाएं प्रदान की जाती हैं। अगर किसी मरीज का आपरेशन करवाना हो तो वे स्वयं हरियाणा व दिल्ली के बड़े अस्पताल में उसका इलाज करवाते हैं।उन्होंने बताया कि समय-समय पर संस्था कैम्प का भी आयोजन करती रहती है। अब तक संस्था 150 से भी ज्यादा जांच शिविरं का आयोजन कर चुकी है जिसमें आसपास के लगभग 500 गांवों के लोग प्रभावित हुए हैं और करीब दो लाख मरीजों ने कैम्पों का फायदा उठाया है। कैम्प के दौरान आधुनिक उपकरणों द्वारा मरीजों का अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, खून, श्वासक्रिया, आंख, कान तथा अन्य जांच की जाती है और उन्हें फ्री दवाइयां दी जाती हैं। आंखों के मरीजों को नजर के चश्मे व कानों की मशीन भी मुफ्त में बांटी जाती है। जरूरतमंद को बैसाखी एवं व्हील चेयर भी प्रदान की जाती है। चौपाल के संस्थापक ने यह भी बताया कि चौपाल के माध्यम से प्रति सप्ताह रविवार के दिन फ्री मेडिकल कैम्प का आयोजन भी किया जाता है जिसमें 1500-2000 मरीजों की संपूर्ण जांच की जाती है और उन्हें 5 दिन की दवाइयां दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त चौपाल स्वस्थ जीवन शैली, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार एवं नवजात शिशुओं का टीकाकरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी देकर भी लोगों को जागरूक कर रही है। डा. राजेन्द्र सिंह टोंक के अनुसार उनका उद्देश्य स्वस्थ गांव उन्नत देश है, क्योंकि 75 प्रतिशत हमारी आबादी गांव में बसती है। चौपाल की कोशिश है कि किसी प्रकार गांववासियों की सामाजिक, पारिवारिक, शारीरिक, मानसिक बीमारियों का निवारण किया जाए। उनकी कोशिश है कि भविष्य में चौपाल हरियाणा में सीमित न होकर भारत वर्ष के सभी ग्रामीणों को शहर के बराबर ही सुविधाएं प्रदान करने में भूमिका निभाएगा। डा. मोनिका पुरी, मेधा सिंह, अशोक सरोहा, बिजेन्द्र, नरेन्द्र तथा संदीप आदि भी इस मौके पर मौजूद थे।

150 से भी ज्यादा निःशुल्क जांच शिविर आयोजित कर चुकी है चौपाल, गांव में बसती है 70 प्रतिशत आबादी